ें का कियान्त्रयन निपन हो

Rule 377

[Shri Charanjit Chanana] lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Bird and Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings and other Properties) Ordinance, 1980.

13.13 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) AROMATICS PROJECT AT COCHIN

SHRI XAVIER ARAKAL (Ernakulam): Sir, this is to bring to the notice of this Government the need for an aromatics project at Cochin. The Engineers India Limited has submitted a feasibility report and the Kerala State Industrial Development Corporation Limited has applied for letter of intent in 1979. The benefit of this project at Cochin will spread to the entire southern States. The secondary processing facilities of the Cochin Refineries can be fully utilised without much additional investment or difficulties. There will be a great saving for the nation in investment both in cost, time and other things. Our nation cannot waste time and plant facilities and imbalance in petro-chemical industries should be mitigated. The State Government has expressed its willingness to take the total equity capital cost. The Committee headed by Dr. Tilak has also, it seems recommended Cochin for this project. Under these circumstances and facts, I urge upon this Government to sanction the muchneeded Aromatics Project to Cochin, without further delay.

(ii) Implementation of development schemes in U.P.

श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत (अल-मोड़ा): उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के ग्राठ पर्वतीय जिलों के लिये वार्षिक योजना केन्द्र सरकार के विशेष ग्रंशदान द्वारा बनाई जाती है। इन जिलों के योजनागत कार्यों के महत्वपूर्ण ग्रंग सड़क, पुल एवं नहर निर्माण तथा पेयगल व विद्युत योजनाएं हैं। इन समस्त योजनाम्रों का कियान्वयन निम्न दो कारणों से दुष्प्रभावित हो रहा है:—

1. सीमेंट, स्टील, कोलतार की आपूर्ति की स्थिति पर्याप्त असंतोपजनक है। इसे सुधारने के लिये आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश के लिये उपरोक्त वस्तुओं का कोटा आवंटित किये जाते वक्त आट पर्वतीय जिलों के लिये विशेष कोटा निर्धारित किया जाय ताकि निर्माण कार्यो हेतु समयबद्ध आपूर्ति संभव हो सके।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों के कियान्वयन की स्थिति भी पर्याप्त ग्रसंतोषजनक है। इन कार्यों को कियान्वित करने वाली श्रिभयंत्रण सेवाग्रों द्वारा लापरवाही बरतने व श्रष्ट तौर-तरीके बरतने के कारण करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली सड़कें व पेय जल योजनाग्रों जैसे नैथना ग्राम समूह पेय जल योजना, पिथोरागढ़ व ग्रल्मोड़ा पेयजल योज-नायें संकट में हैं, बिल्कुल ग्रसफल हो गई हैं। इसका निराकरण भी तभी संभव है जबिक इन कार्यों को करने वाले ग्रभियंताग्रों के लिये योजना की सफलता का कानूनी दायित्व निर्धारित किया जाय। वर्तमान समय में योजना के फेल होते ही ग्रनियंता ग्रपना स्था-नांतरण ग्रन्यत्न करवा लेते हैं।

म्रतः माननीय योजना मंत्री कृपया ध्यान दें।

(iii) KORBA FERTILIZER PLANT

DR. VASANT KUMAR PANDIT (Rajgarh): The recent news eminating from the Union Government sources indicated a strong possibility of changing the location of Korba Fertilizer Plant from Madhya Pradesh to Orissa or Karnataka State. This has grossly disturbed the public mind and moves are afoot to stage strong opposition and agitation to prevent this change of policy.

It is about 17 years since the Government had decided to set up the fertiliser plant at Korba, particularly to improve the lot of this backward under-developed State. Besides, over